मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी- हैदराबाद

एम.ए (हिंदी), त्रृतीय सत्र परीक्षा- दिसंबर-2015

पेपर -10

910

समय: 3 घंटे **विषय: भारतीय और पाश्चात्य काव्य शास्त्र** पूर्णांक: 70

सूचना: 1. सभी प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य हैं। 7x10=70

2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

.....

1. वक्रोक्ति सिद्धांत का परिचय देते हुएं, उसकी शक्ति और सीमाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

वक्रोक्ति के भेदों का उदाहरण सहित परिचय दीजिए।

2. ध्वनि के भेदों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

ध्वनि सिद्धांत का परिचय देते हुए उसकी मुख्य मान्यताओं पर प्रकाश डालिए।

3. औचित्य संप्रदाय की परिभाषा देते हुए, काव्य के निर्माण में उसकी आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

अलंकार सिद्धांत की परिभाषा देते हुए, काव्य में अलंकार के महत्व पर प्रकाश डालिए।

4. रीति शब्द की परिभाषा देते हुए, उसके मुख्य प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'रीतिरात्मा काव्यस्य' कथन को समझाते हुए, काव्य के निर्माण में रीति की महत्ता पर एक लेख लिखिए।

5. आई.ए. रिचर्ड्स के मूल्य सिद्धांत की चर्चा कीजिए।

अथवा

अरस्तु की काव्य- विषयक मान्यताओं पर प्रकाश डालिए।

6. "कला प्रकृति का अनुकरण है" इस कथन पर प्लेटो तथा अरस्तू के विचारों का अंतर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

लौंजाइनस के उदात्त सिद्धांत में निहित मुख्य तत्वों का उल्लेख कीजिए।

7. पाश्चात्य काव्य-शास्त्र के ऐतिहासिक विकास की चर्चा कीजिए।

अथवा

साधारणीकरण का अर्थ एवं परिभाषा देते हुए, काव्यास्वादन में उसकी भूमिका पर प्रकाश डालिए।

@@@